पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक1 छिंदवाड़ा

(प्रथम–पाली) २०२६ – २७

बालवाटिका **-3** कक्षा से **5** तक

निपुण भारत लक्ष्य / FLN के क्रियान्वयन पर प्रतिवेदन

1. प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत निपुण भारत मिशन (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे में प्रारंभिक स्तर पर बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (Foundational Literacy and Numeracy – FLN) की दक्षताओं का विकास करना है। केंद्रीय विद्यालय में सत्र 2026–27 के दौरान बालवाटिका–3 तथा कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न गतिविधियों, शिक्षण–अधिगम प्रक्रियाओं तथा सतत आकलन को प्रभावी रूप से लागू किया गया।

2. उद्देश्य

निपुण कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों पर कार्य किया गया–

1. विद्यार्थियों में सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की दक्षताओं का विकास करना।
2. पढ़कर समझने तथा अपने विचार व्यक्त करने की क्षमता विकसित करना।
3. संख्या ज्ञान, संख्या पहचान, गणना एवं मूलभूत गणितीय संक्रियाओं में दक्षता विकसित करना।
4. खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना।
5. प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत सीखने की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण प्रदान करना।
6. कमजोर एवं सीखने में कठिनाई वाले विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करना।
7. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं समस्या–समाधान कौशल का विकास करना।
8. अभिभावकों को बच्चों के FLN विकास में सहभागी बनाना।

3. कक्षा–वार निपुण गतिविधियाँ

कक्षा	प्रमुख निपुण गतिविधियाँ
बालवाटिका–3	कहानी सुनाना, चित्र–पठन, कविता एवं बालगीत, मौखिक भाषा विकास, रंग/आकार पहचान, गिनती, मिलान, वर्गीकरण, पहेली एवं खेल आधारित गतिविधियाँ

कक्षा 1	अक्षर एवं ध्वनि पहचान, शब्द निर्माण, सरल वाक्य पठन, चित्र देखकर बोलना/लिखना, संख्या पहचान, वस्तुओं की गिनती, जोड़-घटाव की प्रारंभिक अवधारणा
कक्षा 2	प्रवाहपूर्वक पठन, अनुच्छेद की समझ, श्रुतलेख, शब्द एवं वाक्य निर्माण, संख्या ज्ञान, जोड़-घटाव, पैटर्न, मापन एवं दैनिक जीवन आधारित गणित
कक्षा 3	अर्थपूर्ण पठन, प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद लेखन, शब्दावली विकास, गुणा-भाग की अवधारणा, संख्या संचालन, मापन एवं समस्या समाधान
कक्षा 4	पठन-बोध, स्वतंत्र लेखन, रचनात्मक अभिव्यक्ति, गणितीय तर्क, चारों संक्रियाओं का प्रयोग, भिन्न, मापन एवं दैनिक जीवन की समस्याएँ
कक्षा 5	धाराप्रवाह एवं समझ के साथ पठन, सार/मुख्य विचार की पहचान, रचनात्मक लेखन, तार्किक चिंतन, गणितीय समस्या समाधान, भिन्न-दशमलव एवं दैनिक जीवन में गणित का प्रयोग

4. अपनाई गई शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ

* निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कक्षा शिक्षण में निम्न गतिविधियों को सम्मिलित किया गया–
* कहानी एवं कविता आधारित गतिविधियाँ
* चित्र देखकर कहानी/वाक्य निर्माण
* बालसभा एवं मौखिक अभिव्यक्ति
* पुस्तक पठन एवं Read Aloud गतिविधियाँ
* शब्द एवं वाक्य निर्माण खेल
* भाषा एवं गणित के TLM का प्रयोग
* संख्या एवं मात्रा संबंधी गतिविधियाँ
* पहेलियाँ एवं खेल आधारित गणित
* समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्
* स्थानीय परिवेश आधारित गतिविधियाँ
* कार्यपत्रक एवं अभ्यास पुस्तिकाएँ
* कला, खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण
* ICT एवं डिजिटल संसाधनों का आवश्यकता अनुसार प्रयोग

5. आकलन एवं प्रगति की निगरानी

विद्यार्थियों की निपुण दक्षताओं का आकलन सतत एवं व्यापक रूप से किया गया। मौखिक गतिविधियों, पठन, लेखन, गणितीय कार्य, कार्यपत्रकों, कक्षा-अवलोकन तथा विभिन्न आकलन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति का रिकॉर्ड रखा गया।

आकलन के आधार पर विद्यार्थियों को उनकी सीखने की आवश्यकता के अनुसार सहायता प्रदान की गई तथा आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए Remedial Teaching एवं अतिरिक्त अभ्यास कराया गया।

6. अभिभावक सहभागिता

निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अभिभावकों को भी जागरूक किया गया। उन्हें बच्चों के साथ घर पर–

- कहानी/पुस्तक पढ़ने,
- बच्चों से बातचीत करने,
- दैनिक जीवन में गिनती एवं गणित का प्रयोग करने,
- नए शब्दों का प्रयोग करने तथा

* नियमित अभ्यास करानेके लिए प्रेरित किया गया।

7. शिक्षक की भूमिका

निपुण भारत के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षकों द्वारा बाल-केंद्रित, गतिविधि आधारित एवं आनंदमय शिक्षण को प्राथमिकता दी गई। विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सीखने की गति एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विभेदित शिक्षण, सहपाठी सहयोग तथा उपचारात्मक गतिविधियों का प्रयोग किया गया।

8. उपलब्धियाँ

सत्र 2026-27 के दौरान निपुण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में–

- भाषा एवं मौखिक अभिव्यक्ति में सुधार,
- पठन के प्रति रुचि,
- लेखन कौशल में विकास,
- संख्या ज्ञान एवं गणितीय समझ में वृद्धि,
- कक्षा गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता,

* आत्मविश्वास एवं स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमताके विकास हेतु निरंतर प्रयास किए गए।

9. आगामी कार्ययोजना

शेष सत्र में निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निम्न कार्य किए जाएंगे–

1. विद्यार्थियों की नियमित प्रगति का आकलन।
2. सीखने में पीछे रह गए विद्यार्थियों के लिए विशेष अभ्यास।
3. FLN आधारित गतिविधियों का नियमित आयोजन।
4. पुस्तकालय एवं पठन गतिविधियों को बढ़ावा देना।

5. गणितीय खेल एवं गतिविधियों का अधिक प्रयोग।

6. अभिभावकों की सहभागिता को और प्रभावी बनाना।

7. विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सीखने की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में आवश्यक परिवर्तन करना।

10. निष्कर्ष

केंद्रीय विद्यालय में सत्र 2026-27 के दौरान बालवाटिका-3 एवं कक्षा 1 से 5 तक निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के विकास के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। गतिविधि आधारित शिक्षण, सतत आकलन, उपचारात्मक शिक्षण तथा अभिभावक सहभागिता के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपेक्षित दक्षताओं की ओर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।